UNIVERSITY OF MUMBAI

No. UG/ 18 of 2015-16

CIRCULAR:-

A reference is invited to the Syllabi relating to the M.Phil degree course in Hindi **vide** this office Circular No.UG/407 of 2008, dated 4th September, 2008, and the Head, University Department of Hindi and the Principals of the affiliated Colleges in Arts are hereby informed that the recommendation made by the Board of Studies in Hindi at its meeting held on 5th March, 2015 has been accepted by the Academic Council at its meeting held 29th May, 2015 **vide** item No. 4.30 and that in accordance therewith, the syllabus for M.Pill degree course in Hindi of Paper 3-B, 3-C,3-D,3-E & 3-F has been revised which is available on the University's web site (www.mu.ac.in) and that the same has been brought into force with effect from the academic year 2015-16.

Sd/-
REGISTRAR

MUMBAI – 400 032
17th July, 2015

To,

The Head, University Department of Hindi and the Principals of the affiliated Colleges in Arts.

A.C/4.30/29/05/2015

****

No. UG/18 -A of 2015 MUMBAI-400 032 17th July, 2015

Copy forwarded with compliments for information to:-

1) The Dean, Faculty of Arts,
2) The Chairman, Board of Studies in Hindi,
3) The Controller of Examinations
4) The Co-Ordinator, University Computerization Centre.

16/7/15

REGISTRAR

.....PTO

अथवा

विकल्प 'ख'

वैकल्पिक प्रश्न-पत्र - ३.

(M.PHIL.HIN- 3-B)

आधुनिक काव्य

(प्रथम-सत्र)

इकाई १ से ४

१. जयशंकर प्रसाद	-	कामायनी (सर्ग :- चिंता, श्रद्धा, इड़ा, आनंद)
२. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	-	राग-विराग (संपादक- डॉ. रामविलास शर्मा) बादल राग, भाग - ६, जागो फिर एक बार - २, सरोज स्मृति, राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता - १ व २.
३. रामधारी सिंह 'दिनकर'	-	उर्वशी (चतुर्थ व पंचम सर्ग)

(द्वितीय-सत्र)

इकाई १ से ४

४. नागार्जुन	-	प्रतिनिधि कविताएँ यह तुम थीं, फटी बिवाइयाँ, बादल को घिरते देखा है, मास्टर, प्रेत का बयान, कालिदास से, मंत्र, हरिजन गाथा

५. गजानन माधव 'मुक्तिबोध'	-	चाँद का मुँह टेढ़ा है, पूँजीवादी समाज के प्रति, मैं तुम लोगों से दूर, लकड़ी का रावण, ब्रह्म राक्षस, एक भूतपूर्व विद्रोही का आत्मकथन।
६. चंद्रकांत देवताले	-	प्रतिनिधि कविताएँ जो नहीं होते धरती पर, शब्दों की पवित्रता के बारे में, मेरे पास छिपाने को कुछ नहीं, कबूलनामा, जनवरी में बारिश, माँ जब खाना परोसती थी, औरत, बिना किसी तानाशाह की तस्वीर के, नींद और कवि, अंतिम दिन की अनुभूति,

संदर्भ-ग्रंथ

१. जयशंकर प्रसाद	-	नन्ददुलारे वाजपेयी
२. प्रसाद का काव्य	-	डॉ. प्रेमशंकर
३. कामायनी	-	कल्याणमल लोढा (संपादक)
४. कामायनी : एक पुनर्विचार	-	मुक्तिबोध
५. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन	-	डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
६. कवि निराला	-	आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
७. क्रांतिकारी कवि निराला	-	डॉ. बच्चन सिंह
८. निराला : एक आत्महंता आस्था	-	डॉ. दूधनाथ सिंह
९. निराला का अलक्षित अर्थ गौरव	-	डॉ. पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु'
१०. इतिहास और आलोचना	-	डॉ. नामवर सिंह
११. अज्ञेय की काव्य तितीर्षा	-	डॉ. नन्दकिशोर आचार्य
१२. कविता की तलाश	-	डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
१३. अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन	-	डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
१४. आधुनिक हिन्दी कविता में काव्यचिंतन	-	डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१५. आधुनिक कविता का पुनर्पाठ	-	डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१६. विविधा	-	डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१७. सामाजिक संदर्भों का कोर्ट मार्शल और अन्य निबंध	-	डॉ. माधव पंडित
१८. कविता के नए प्रतिमान	-	डॉ. नामवर सिंह
१९. मुक्तिबोध की कविताई	-	डॉ. अशोक चक्रधर
२०. आधुनिक हिन्दी कविता की वैचारिक पृष्ठभूमि	-	डॉ. रतन कुमार पाण्डेय
२१. मुक्तिबोध : कविता व जीवन विवेक	-	चंद्रकांत देवताले
२२. निराला और मुक्तिबोध : चार लंबी कविताएँ	-	डॉ. नन्दकिशोर नवल
२३. समकालीन बोध और धूमिल का काव्य	-	डॉ. हुकूमचन्द राजपाल
२४. समकालीन हिन्दी कविता की भूमिका	-	डॉ. विश्वंभरनाथ उपाध्याय
२५. समकालीन हिन्दी कविता	-	डॉ. ए. अरविंदाक्षन
२६. कवि केदारनाथ सिंह	-	भारत यायावर (संपादक)
२७. समकालीन काव्य:प्रकृति और परिवेश	-	डॉ. रतन कुमार पाण्डेय
२८. समकालीन कविता संवेदना और अभिव्यक्ति	-	डॉ. रतन कुमार पाण्डेय
२९. समकालीन कविता विद्रोही प्रतिमान	-	डॉ. रतन कुमार पाण्डेय
३०. साहित्य और संस्कृति के सरोकार	-	डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

अथवा

विकल्प 'ग'

(M.PHIL.HIN- 3-C)

हिन्दी उपन्यास

(प्रथम-सत्र)

इकाई १ से ४

१. प्रेमचंद	-	रंगभूमि
२. यशपाल	-	दिव्या
३. हजारी प्रसाद द्विवेदी	-	पुनर्नवा

(द्वितीय सत्र)

इकाई १ से ४

४. फणीश्वरनाथ 'रेणु'	-	परती परिकथा
५. अमरकांत	-	इन्हीं हथियारों से
६. भीष्म साहनी	-	तमस

संदर्भ-ग्रंथ

१. प्रेमचंद और उनका युग	-	डॉ. रामविलास शर्मा
२. प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन	-	डॉ. शंभूनाथ
३. महाकाव्यीय प्रतिभा के धनी प्रेमचंद	-	डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
४. प्रेमचंद का रचना संसार पुनर्मूल्यांकन	-	डॉ. सुशीला गुप्ता (संपादक)
५. आधुनिक उपन्यास : विविध आयाम	-	विवेकी राय
६. हिन्दी उपन्यास : स्थिति और गति	-	डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
७. हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद	-	डॉ. त्रिभुवन सिंह
८. हिन्दी उपन्यास 'एक अन्तर्यात्रा'	-	डॉ. रामदरश मिश्र
९. अज्ञेय की उपन्यास-यात्रा	-	डॉ. ए. अरविंदाक्षन
१०. हिन्दी के आंचलिक उपन्यास	-	डॉ. रामदरश मिश्र (संपादक)
११. प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों की शिल्प-विधि	-	डॉ. सत्यपाल चुघ
१२. हिन्दी उपन्यास का विकास	-	मधुरेश
१३. निबंधकार जैनेन्द्र कुमार	-	डॉ. विष्णु सरवदे
१४. आधुनिक परिदृश्य : आंचलिकता और हिन्दी उपन्यास	-	विद्या सिन्हा
१५. रचनाकार रेणु	-	पुष्पा जतकर
१६. उपन्यास का पुनर्जन्म	-	डॉ. परमानंद श्रीवास्तव
१७. उपन्यास : समय और संवेदना	-	विजय बहादुर सिंह
१८. रचना के सरोकार	-	डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
१९. समकालीन हिन्दी कथा लेखिकाएँ	-	डॉ. रामकली सर्राफ
२०. उपन्यास की संरचना	-	डॉ. गोपाल राय
२१. हिन्दी उपन्यास : सृजन और सिद्धान्त	-	डॉ. नरेन्द्र कोहली
२२. भारत में दलित आंदोलन : एक मूल्यांकन	-	कन्हैयालाल चंचरीक
२३. हिन्दी उपन्यास का इतिहास	-	डॉ. गोपाल राय
२४. दलित साहित्य (२००० - २००७)	-	जयप्रकाश कर्दम (संपादक)
२५. हिन्दी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग	-	डॉ. त्रिभुवन सिंह
२६. दलित साहित्य का सौंदर्य-शास्त्र	-	ओमप्रकाश वाल्मीकि
२७. रेणु की नारी सृष्टि	-	डॉ. अल्पना तिवारी
२८. हिन्दी कथा साहित्य का पुनर्पाठ	-	डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
२९. दलित साहित्य में सामाजिक सांस्कृतिक चेतना	-	जयप्रकाश कर्दम
३०. हिन्दी उपन्यासों में दलित वर्ग	-	कुसुम मेघवाल
३१. सामाजिक संदर्भों का कोर्टमार्शल और अन्य निबंध	-	डॉ. माधव पण्डित
३२. अमरकांत : एक मूल्यांकन	-	डॉ. रवीन्द्र कालिया (संपादक)

अथवा

विकल्प 'घ'

(M.PHIL.HIN- 3-D)

समकालीन विमर्श

(प्रथम-सत्र)

इकाई १ से ४

१. शानी	-	कालाजल (अल्पसंख्यक विमर्श)
२. रणेंद्र	-	ग्लोबल गाँव का देवता (आदिवासी विमर्श)
३. प्रभा खेतान	-	अन्या से अनन्या (स्त्री विमर्श)

(द्वितीय-सत्र)

इकाई १ से ४

४. ओमप्रकाश वाल्मीकि	-	जूठन (दलित विमर्श)
५. दूधनाथ सिंह	-	आखिरी कलाम (सांप्रदायिकता विमर्श)
६. अल्का सरावगी	-	एक ब्रेक के बाद (स्त्री विमर्श)

संदर्भ-ग्रंथ

१. श्रृंखला की कड़ियाँ	-	महादेवी वर्मा
२. स्त्री विमर्श का कालजयी इतिहास	-	संजय गर्ग (संपादक)
३. स्त्री विमर्श की उत्तर गाथा	-	डॉ. अनामिका
४. शानी का कथा साहित्य	-	डॉ. माधव पंडित
५. आदिवासी लेखन : एक उभरती चेतना	-	रमणिक गुप्ता
६. भूमंडलीकरण और हिन्दी उपन्यास	-	डॉ. पुष्पपाल सिंह
७. स्त्री लेखन : स्वप्न और संकल्प	-	डॉ. रोहिणी अग्रवाल
८. स्त्रीत्ववादी विमर्श	-	डॉ. क्षमा शर्मा
९. साहित्य और संस्कृति के सरोकार	-	डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१०. भारतीय दलित आंदोलन का इतिहास	-	मोहनदास नैमिषराय
११. दलित साहित्य का सौंदर्य-शास्त्र	-	ओमप्रकाश वाल्मीकि
१२. दलित साहित्य : अनुभव, संघर्श और यथार्थ	-	ओमप्रकाश वाल्मीकि
१३. आदिवासी शौर्य और विद्रोह	-	रमणिका गुप्ता
१४. हिन्दी कथा साहित्य का पुनर्पाठ	-	डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१५. भारतीय साहित्य में मुसलमानों का अवदान	-	डॉ. जाफ़र रजा
१६. भारत : इतिहास, संस्कृति और विज्ञान	-	गुणाकर मुले
१७. आवां विमर्श	-	डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय (संपादक)

अथवा

विकल्प 'च'

(M.PHIL.HIN- 3-E)

भारतीय साहित्य

(प्रथम-सत्र)

इकाई १ से ४

१. भालचंद्र नेमाडे	-	कोसला (मराठी)
२. गिरीश कर्नाड	-	तुगलक (कन्नड़)
३. महाश्वेता देवी	-	१०८४ वें की माँ (बांग्ला)

(द्वितीय-सत्र)

इकाई १ से ४

४. अमृता प्रीतम	-	रसीदी टिकट (पंजाबी)
५. नज़ीर अकबराबादी	-	प्रतिनिधि कविताएँ (उर्दू)
६. पन्नालाल पटेल	-	मानविनी भवाई (गुजराती)

संदर्भ-ग्रंथ

१. भारतीयता की पहचान	-	डॉ. केशवचंद्र वर्मा
२. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास	-	डॉ. नगेन्द्र (हिंदी कार्यान्वयन निदेशालय)
३. भारतीय साहित्य	-	अज्ञेय (साहित्य अकादमी)
४. भारतीय साहित्य	-	इंद्रनाथ चौधरी (वाणी प्रकाशन)
५. बाङ्ला साहित्य का इतिहास	-	डॉ. सुकुमार सेन (साहित्य अकादमी)
६. भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका	-	डॉ. नगेन्द्र
७. भारतीय अस्मिता और हिन्दी	-	डॉ. शम्भूनाथ
८. भारतीय समीक्षा	-	डॉ. नगेन्द्र
९. किस प्रकार की है यह भारतीयता	-	यू. आर. अनंतमूर्ति
१०. मराठी साहित्य परिदृश्य	-	डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
११. मराठी कादंबरीचा इतिहास	-	डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
१२. मराठी कादंबरी : चिंतन आणि समीक्षा	-	डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
१३. हिन्दी साहित्य : बंगीय भूमिका	-	डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र (संपादक)
१४. १९९० नंतरचे स्त्री-निर्मित कथन पर साहित्य	-	डॉ. पुष्पलता राजापुरे-तापस (संपादक)
१५. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ	-	डॉ. के. सच्चिदानंदन
१६. आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्श	-	डॉ. जयदेव तनेजा
१७. तुलनात्मक साहित्य का विश्वकोश	-	डॉ. पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु' (संपादक)
१८. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	-	डॉ. एहतेशाम हुसैन

अथवा

विकल्प 'छ'

(M.PHIL.HIN- 3-F)

हिन्दी नाटक

(प्रथम-सत्र)

इकाई १ से ४

१. भारतेन्दु हरिश्चंद्र	-	अंधेर नगरी
२. जयशंकर प्रसाद	-	अजातशत्रु
३. जगदीशचंद्र माथुर	-	पहला राजा

(द्वितीय-सत्र)

इकाई १ से ४

४. हबीब तनवीर	-	आगरा बाज़ार
५. दयाप्रकाश सिन्हा	-	कथा एक कंस की
६. मोहनदास नैमिषराय	-	हैलो कॉमरेड

विशेष :- प्रत्येक सत्र में २५ अंकों का आंतरिक मूल्यांकन निम्नलिखित आधारों पर होगा -

(क)	**प्रकल्प**	**१५ अंक**
(ख)	**कक्षा में सक्रिय उपस्थिति**	**०५ अंक**
(ग)	**प्रस्तुतीकरण**	**०५ अंक**
	कुलयोग -	**२५ अंक**

संदर्भ-ग्रंथ

१. नाटकालोचन के सिद्धान्त	-	सिद्धनाथ कुमार
२. भारतेंदु के नाट्यशब्द	-	डॉ. पूर्णिमा सत्यदेव
३. हिन्दी नाट्य परिदृश्य	-	धीरेन्द्र शुक्ल
४. हिन्दी नाटक : नईं परख	-	रमेश गौतम (संपादक)
५. भारतीय नाट्य परंपरा और रंगभूमि	-	मदन मोहन भारद्वाज
६. हिन्दी के नाट्यशिल्पी	-	शांति मलिक
७. भारतेंदु युग के नाटकों की शिल्प-विधि	-	शांति मलिक
८. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास	-	हेतु भारद्वाज
९. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास	-	डॉ. दशरथ ओझा
१०. समकालीन हिन्दी नाटक : रंगमंच के परिप्रेक्ष्य में	-	डॉ. मिथिलेश गुप्ता
११. आधुनिक नाटक : दृष्टि और शिल्प	-	डॉ. देवेन्द्र स्वामी
१२. समकालीन हिन्दी नाटक : सृष्टि एवं दृष्टि	-	लव कुमार लवकीन
१३. भारतेंदु हरिश्चंद्र के नाटकों में व्यंग्य	-	नरेन्द्र अरुण
१४. नटशिल्पी शंकर शेष	-	डॉ. सुरेश गौतम
१५. प्रयोगधर्मी नाटककार	-	जगदीश माथुर
१६. हिन्दी के प्रमुख नाटककारों के नाटकों में लोकतत्त्व	-	डॉ. सत्यवीर सिंह
१७. नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दश रूपक	-	हजारी प्रसाद द्विवेदी
१८. हिन्दी नाटक	-	बच्चन सिंह
१९. नाटककार भारतेंदु की रंग-परिकल्पना	-	सत्येन्द्र तनेजा (संपादक)
२०. नाटककार जगदीशचंद्र माथुर	-	गोविंद चातक
२१. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक	-	डॉ. रामजन्म शर्मा
२२. हिन्दी नाटक आत्म-संघर्ष	-	डॉ. गिरिश रस्तोगी
२३. शंकर शेष के नाटकों में संघर्ष चेतना	-	हेमन्त कुकरेती
२४. अँधेर नगरी : सृजन विश्लेषण और पाठ	-	रमेश गौतम
२५. हिन्दी नाटक को पाँच दशक	-	कुसुम खेमानी
२६. बीसवीं शताब्दी में हिन्दी नाटक और रंगमंच	-	गिरिश रस्तोगी
२७. सर्जना की परख	-	डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
२८. रंगमंच : नया परिदृश्य	-	डॉ. रीतारानी पालीवाल
२९. समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच	-	डॉ. जयदेव तनेजा
३०. नाटककार जयशंकर प्रसाद	-	डॉ. सत्येन्द्र तनेजा
३१. भीष्म साहनी : व्यक्तित्व और रचना	-	प्रताप ठाकुर (संपादक)

सूचना :- वैकल्पिक प्रश्न-पत्र क्रमांक - ३, आधुनिक काव्य, हिन्दी उपन्यास, समकालीन विमर्श, भारतीय साहित्य, हिन्दी नाटक में ४० अंकों के ससंदर्भ व्याख्या और ६० अंकों के आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।